(ख) राज्यवार कितने ग्रामों में बिजली लग गई है ; और

(ग) किन-किन राज्यों में अधिकतम संख्या में गांवों में बिजली लग गई है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्री (हाफिज मुहम्मद इब्राहीम) : (क) देहातों में बिजली लगाने के लिए विभिन्न राज्य सरकारों को २.७२२९ करोड़ रुपये की रकम कर्ज के रूप में दी गई । उन को यह भी सिफारिश की गई कि देहाती इलाकों में लाइनें बनाने के लिए, उस इलाके में मिलने वाले सस्ते सामान को ही काम में लाया जावे और निर्माण के ऐसे कम खर्चीले तरीके अपनाए जावें जिन से कि काम बेखटके और चुस्ती से चलता रहे ।

(ख) इनकी जानकारी नीचे दी जाती है :—

राज्य का नाम	३१-३-१९६१ तक जितने गांवों/कस्बों में बिजली लगी	१९६१-६२ के दौरान जितने गांवों/कस्बों में बिजली लगने का अनुमान है
१	२	३
आंध्र प्रदेश	२,१२५	*
आसाम	५५	*
बिहार	१,८५०	१९०
गुजरात	७३५	११०
केरल	१,६७०	११५
मध्य प्रदेश	४२०	९६
मद्रास	६,०००	१,६००
महाराष्ट्र	६९०	*
मैसूर	१,६५०	१२०
उड़ीसा	१४०	२५
पंजाब	२,०३०	६००
राजस्थान	१४०	*
उत्तर प्रदेश	४,५००	*
पश्चिमी बंगाल	४८०	१२
जम्मू और काश्मीर	*	४०
संघीय प्रदेश	३००	२०३

* अभी तक जानकारी नहीं आई ।

(ग) मद्रास, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पंजाब, बिहार, केरल और मैसूर ।

पंचायतों में हरिजन प्रतिनिधि

२८२. **श्री बाल्मीकी** : क्या **सामुदायिक विकास, पंचायतीराज और सहकार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंचायतीराज के अन्तर्गत पंचायतों में हरिजनों का प्रतिनिधित्व अपर्याप्त है;

(ख) यदि हां, तो क्या उनके मंत्रालय ने राज्य सरकारों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है; और

(ग) उसमें क्या प्रगति हुई है ?

सामुदायिक विकास, पंचायतीराज और सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ब० सू० मूर्ति) : (क) जी नहीं । विभिन्न राज्यों की पंचायतों में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों (हरिजन नहीं, जैसाकि प्रश्न में कहा गया है) के प्रतिनिधित्व की मौजूदा स्थिति को बताने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रखा जाता है । [देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ४८]

(ख) तथा (ग). प्रश्न ही नहीं उठते ।

नई दिल्ली में रेल के फाटकों पर ऊपरी पुल

२८३. **श्री नवल प्रभाकर** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली की पटेल रोड के रेलवे क्रासिंग पर तथा नई रोहतक रोड,